समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Saturday, 19 September 2026

विवेक ओबेरॉय का चौंकाने वाला बयान : “2050 मे लोग कहेगें... कौन शाहरुख खान ?”, इतिहास गुमनामी मे धंकेल देता है !

Publisher

Published on 20 Nov 2025

बॉलीवुड अभिनेता विवेक ओबेरॉय ने हाल ही में एक ऐसा बयान दिया है जिसने फिल्म इंडस्ट्री और प्रशंसकों के बीच नई बहस को जन्म दे दिया है। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा कि दुनिया में किसी भी स्टार की चमक हमेशा नहीं रहती और संभव है कि आने वाले 25 से 30 सालों में लोग शाहरुख खान को भूल जाएं। यह टिप्पणी उस समय आई है जब शाहरुख खान अभी हाल ही में 60 वर्ष के हुए हैं और ‘जवान’, ‘पठान’ और ‘डंकी’ जैसी फिल्मों की सफलता के कारण एक बार फिर इंडस्ट्री में अपनी बादशाहत साबित कर चुके हैं।

विवेक ओबेरॉय ने कहा कि इतिहास हर किसी को एक समय पर गुमनामी की ओर ले जाता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि राज कपूर जैसे कलाकार आज भी सिनेमा प्रेमियों के लिए किसी प्रतीक से कम नहीं हैं, लेकिन नई पीढ़ी उनकी फिल्मों या उनके योगदान के बारे में उतना नहीं जानती जितना उन्हें जानना चाहिए। इसी संदर्भ में विवेक ने बताया कि समय के साथ सबसे चमकदार नाम भी फीके पड़ जाते हैं। उनका कहना था कि “आज अगर आप किसी युवा से 1960 के दशक की फिल्मों, कलाकारों या उनके काम के बारे में पूछेंगे, तो अधिकांश लोगों को शायद कोई जानकारी ही न हो। यही इतिहास की सच्चाई है कि सब कुछ धीरे-धीरे भुला दिया जाता है।”

अपने बयान को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि “हमें लगता है कि हमारी पहचान हमेशा रहेगी, लेकिन इतिहास में हर इंसान अंततः एक फुटनोट बन जाता है। आज शाहरुख खान दुनिया के सबसे बड़े सुपरस्टार्स में से एक हैं। उनकी लोकप्रियता किसी उदाहरण से कम नहीं है, लेकिन हो सकता है कि 2050 में लोग पूछें — ‘कौन शाहरुख खान ?’” विवेक के इस बयान ने फैंस के बीच नाराजगी, आश्चर्य और बहस को जन्म दे दिया है, क्योंकि शाहरुख खान वह नाम हैं जिन्होंने तीन दशकों से भी ज्यादा समय तक बॉलीवुड के शिखर पर अपनी जगह बनाए रखी है।

शाहरुख की फिल्म ‘जीरो’ के फ्लॉप होने के बाद कई लोगों ने सोचा था कि उनका करियर ढलान पर है, लेकिन इसके बाद उन्होंने

शानदार वापसी की और एक बार फिर बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ दिए। 'पठान' और 'जवान' जैसी फिल्मों ने न केवल भारत में बल्कि विश्व भर में कमाई के नए स्तर छुए। इस सफलता को देखते हुए फैंस का मानना है कि उनका स्टारडम दशकों तक याद किया जाएगा। लेकिन विवेक ओबेरॉय के बयान ने एक अलग दृष्टिकोण पेश किया है, जिसमें उन्होंने संकेत दिया कि समय किसी को भी नहीं छोड़ता—चाहे वह कितना बड़ा सितारा क्यों न हो।

विवेक ओबेरॉय का पूरा तर्क इस बात पर आधारित था कि इतिहास का चक्र लगातार घूमता है और समय के साथ हर कलाकार, हर सेलिब्रिटी और हर आइकन पीछे छूट जाता है। गौर करने वाली बात यह है कि विवेक का यह कोई व्यक्तिगत हमला नहीं था, बल्कि समाज और इतिहास की वास्तविकताओं पर आधारित एक सामान्य टिप्पणी थी। हालांकि इस बयान का समय और इसका संदर्भ फैंस के बीच मिश्रित प्रतिक्रियाएं लेकर आया है।

सोशल मीडिया पर भी इस बयान को लेकर चर्चा तेज है। कुछ लोग विवेक के विचार से सहमत हैं और कहते हैं कि समय के साथ सब कुछ बदलता है, जबकि शाहरुख के प्रशंसक यह मानने को तैयार नहीं कि बॉलीवुड के 'किंग खान' को कभी भुलाया जा सकता है। कई उपयोगकर्ताओं ने यह भी कहा कि राज कपूर, दिलीप कुमार और अमिताभ बच्चन जैसे सितारों को आज भी करोड़ों लोग याद करते हैं, और शाहरुख खान की लोकप्रियता तो आज के समय में वैश्विक स्तर पर है।

बहरहाल, विवेक ओबेरॉय के बयान ने यह सवाल जरूर खड़ा कर दिया है कि स्टारडम की असली उम्र कितनी होती है। क्या सुपरस्टार्स हमेशा लोगों की यादों में रहते हैं या समय उन्हें धुंधला कर देता है? इस बहस के बीच इतना जरूर है कि शाहरुख खान के फैंस इस बात पर अडिग हैं कि "किंग खान" सिर्फ एक नाम नहीं, बल्कि एक युग हैं—और उन्हें भूलना आसान नहीं होगा।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.